Amar Ujala
Nov 13, 2019

देश में हर साल जन्म लेते हैं एक लाख बधिर

नई दिल्ली। विशेषज्ञों का कहना है कि देश में 6.3 करोड़ से ज्यादा लोग सुन नहीं सकते। हर वर्ष करीब एक लाख बच्चे बधिर समस्या के साथ जन्म ले रहे हैं। इन बच्चों को आजीवन इस बीमारी से बचाया जा सकता है। जन्म के बाद बधिरता जांच के साथ ही कोचलियर इंप्लांट के जरिए यह संभव है। मंगलवार को अपोलो अस्पताल में एक परिचर्चा के दौरान यह जानकारी दी गई। ग्लोबल हियरिंग एंबेसडर क्रिकेटर ब्रेट ली ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सुनने की अक्षमता का इलाज हो सकता है, लेकिन ज्यादा लोगों को उपलब्ध उपचारों की जानकारी नहीं है। जागरूकता पहल नवजात के माता-पिता और परिवारों को शिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. अनुपम सिब्बल ने बताया कि बहरेपन से जूझ रहे लोगों में बच्चों की बड़ी तादाद है। देश में प्रत्येक एक हजार बच्चों में से 4 बच्चे गंभीर रूप से बहरेपन से पीड़ित हैं। अपोलो ने यूनिवर्सल न्यूबर्न हियरिंग स्क्रीनिंग कार्यक्रम के 14 साल पूरे कर लिए हैं। ब्यूरो

Dainik Bhaskar
Nov 13, 2019

24 घंटे में स्क्रीनिंग कर बहरेपन के दंश से बचाया जा सकता है

हर साल पैदा होने वाले बच्चों में से एक लाख को सुनने की परेशानी

अपोलो अस्पताल में बहरेपन की समस्या को लेकर हुआ सेमिनार

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

भारत में पैदा होने वाले कुल बच्चों में से करीब एक लाख बच्चों को सुनने में परेशानी होती है। बच्चों को सुनने की परेशानी को उनके पैदा होने के 24 घंटे में स्क्रिनिंग कर दूर किया जा सकता है। कुछ को थोड़े बहुत इलाज से जबकि कुछ को कोचलियर में मशीन इंप्लांट कर जिंदगीभर बहरेपन से जूझने से बचाया जा सकता है। यह कहना है अपोलो अस्पताल में ईएनटी के डॉक्टर प्रोफेसर अमित किशोर का। यह बात उन्होंने मंगलवार को बच्चों में सुनने की परेशानी को लेकर हुए सेमिनार में कही। इस सेमिनार में क्रिकेटर ब्रेट ली ने भी हिस्सा लिया। डॉ. अमित किशोर ने कहा कि मैंने उन पेरेंट्स के चेहरे पर खुशी देखी है जब उनके बच्चे सुनने की कमी से बाहर निकल कर सामान्य रूप से सुनने लगते हैं। हियरिंग लॉस का प्रारंभिक तौर पर पता लगाना इस संतुष्टि के निर्माण की दिशा में पहला कदम है। उन्होंने कहा कि अकेले दिल्ली में ही 34,000 से अधिक लोग महत्वपूर्ण सुनने की कमी से पीड़ित हैं। अपोलो अस्पताल में पैदा होने वाले हर बच्चे की स्क्रिनिंग की जाती है। यहां हमने 1500 कोचलियर में मशीन लगाई हैं और लोगों को बहरेपन की परेशानी से बचाया है। इसमें छोटे बच्चों से लेकर बूढ़े तक शामिल हैं।

Dainik Jagran
Nov 13, 2019

श्रवण अक्षमता का इलाज संभव पर जागरूकता की कमी : ब्रेट ली

जागरण संवाददाता, दक्षिणी दिल्ली: सरिता विहार स्थित अपोलो अस्पताल में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ पर चर्चा की। इस दौरान क्रिकेटर ब्रेट ली, अपोलो अस्पताल सीईओ पी. शिव कुमार, ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर डॉ. अनुपम सिब्बल, कोचलियर इम्प्लांट सर्जन डॉ. नीविता नारायण और बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित किशोर मौजूद रहे। चर्चा में डॉक्टरों ने कहा कि जन्म के समय ही बच्चों की हियरिंग स्क्रीनिंग कर ली जाए तो इसका समय पर बेहतर इलाज संभव है।

ब्रेट ली ने कहा कि सुनने की अक्षमता का इलाज हो सकता है, लेकिन ज्यादा लोगों को उपलब्ध उपचारों की जानकारी नहीं है। इस तरह की जागरूकता कार्यक्रमों से नवजात शिशुओं के माता-पिता और परिवारों को शिक्षित करने में मदद मिलती है।

अपोलो अस्पताल में पत्रकारों से बात करते क्रिकेटर ब्रेट ली ● जागरण

1. http://www.drugtodayonline.com/medical-news/nation/10062-1500-kids-got-hearing-implants-in-apollo-hospital-delhi.html
2. https://anewsofindia.com/2019/11/13/experts-at-indraprastha-apollo-hospitals-advocate-for-hearing-health-in-india/
3. https://medgatetoday.com/experts-at-indraprastha-apollo-hospitals-advocate-for-hearing-health-in-india/

Veer Arjun
Nov 13, 2019

अपोलो हॉस्पिटल्स के विशेषज्ञों ने भारत में श्रवण स्वास्थ्य पर की चर्चा

नई दिल्ली, (वीअ) इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में इसकी कोचलियर इम्प्लांट टीम द्वारा आजआयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ (श्रवण संबंधी स्वास्थ्य) के कारणों पर चर्चा की। बचाव इलाज से बेहतर है और यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग (यूएनएचएस), अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा।

अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्प्लांट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजत एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से, अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण (हियरिंग इम्प्लांट) कर उनके जीवन में खुशियों की आवाज़ें लेकर आया है। इम्प्लांट को कोचलियर बनाने के लिए ग्लोबल हियरिंग एंबेसडर ब्रेट ली, के साथ पी शिव कुमार, सीईओ, अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ अनुपम सिब्बल, ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर और बाल रोग विशेषज्ञ, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ (प्रोफ़ेसर) अमीत किशोर, ईएनटी और कोचलियर इम्प्लांट सर्जन, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स और सुश्री नीविता नारायण, ऑडियोलॉजिस्ट, स्पीच थेरेपिस्ट और अपोलो हॉस्पिटल्स के लिए कोचलियर इंप्लांट विशेषज्ञ ने मिलकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया। उन्होंने न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग के महत्व पर अपनी जानकारियां भी साझा कीं, और सरकार से देश भर में यूएनएचएस को अनिवार्य करने का आग्रह किया।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइज़ेशन के अनुसार, उल्लेखनीय बहरेपन से जूझ रहे 466 मिलियन लोगों में से 34 मिलियन बच्चे हैं; यूएनएचएस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी नवजात शिशुओं की जन्म के समय ही हियरिंग स्क्रीनिंग की जाए। भारत में, 6.3 प्रतिशत जनसंख्या - 2009 में अनुमानित 63 मिलियन लोग - महत्वपूर्ण हियरिंग लॉस से पीड़ित हैं। हर हजार बच्चों में से चार बच्चे गंभीर रूप से बहरेपन से पीड़ित हैं; लगभग 100,000 बच्चे हर साल हियरिंग डेफिशिएंसी के साथ जन्म लेते हैं। नेशनल सेम्पल सर्वे - 2002 में 58वां दौर - ने भारतीय घरों में विकलांगता का सर्वेक्षण किया और इसमें पाया गया कि श्रवण विकलांगता, विकलांगता का दूसरा सबसे सामान्य कारण और संवेदनाओं की कमी का सबसे बड़ा कारण है।

Navodya Times
Nov 13, 2019

1500 बच्चों का किया हियरिंग इम्प्लांट

नई दिल्ली, 12 नवम्बर (नवोदय टाइम्स): भारत में हर साल एक लाख बहरे बच्चे पैदा होते हैं और 63 मिलियन से अधिक लोग देश में बहरेपन के शिकार हैं। इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए अपोलो अस्पताल ने पिछले 14 सालों में 1500 बच्चों का हियरिंग इम्प्लांट कर उनके जीवन में खुशियां लाई हैं। अब इन बच्चों को सुनाई देने लगा है। यह जानकारी अपोलो अस्पताल के ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर डा अनुपम सिब्बल ने पत्रकारों को

भारत में हर साल पैदा होते हैं 1 लाख बहरे बच्चे

दी। इस मौके पर मौजूद ग्लोबल हियरिंग एंबेसडर ब्रेट ली ने कहा, अपोलो जैसी संस्थाओं को इतने बच्चों के जीवन में और उनके परिवारों के जीवन में सुनने का आनंद लाने में सक्षम करना मेरे लिए अत्यंत गर्व की बात है। कहा, सुनने की अक्षमता का इलाज हो सकता है लेकिन, ज्यादा लोगों को उपलब्ध उपचारों की जानकारी नहीं है। इसलिए इसकी जागरूकता लाने की जरूरत है ताकि नवजात शिशुओं के माता-पिता और परिवारों को जानकारी मिल सके। मैं चाहता हूं कि हर कोई रोजमर्रा की जिंदगी की आवाजों का अनुभव कर सके। डा सिब्बल ने कहा, यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग अपोलो अस्पताल के बच्चों का श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने सरकार से अपील की है कि यूएनएचएस को देश भर में अनिवार्य किया जाए।

Virat Vaibhav
Nov 13, 2019

63 मिलियन बच्चे बहरेपन से पीड़ित

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के अनुसार दुनियाभर में 466 मिलियन लोग बहरेपन की समस्या से जझ रहे हैं, इनमें 34 मिलियन बच्चे हैं। वहीं, भारत में इसकी संख्या 63 मिलियन है और प्रत्येक एक हजार बच्चों में से चार बच्चे गंभीर रूप से बहरेपन से पीड़ित हैं। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग के अनुसार लगभग एक लाख बच्चे हर साल हियरिंग डेफिशिएंसी के साथ जन्म लेते हैं। इसी संबंध में इंप्रद्रस्थ अपोलो अस्पताल में एक जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ के कारणों पर चर्चा की। ऑडियोलॉजिस्ट, स्पीच थैरेपिस्ट नीविता नारायण ने कहा कि सुनने की कमी का नुकसान प्रारंभिक वर्षों में बच्चे के सीखने की क्षमता को बहुत प्रभावित कर सकता है। उन्होंने बताया कि अक्सर यह देखा जाता है कि हियरिंग लॉस से बोलने के कौशल पर भी असर पड़ता है। जल्दी पता लगाने से तेज और प्रभावी उपचारों में मदद मिलती है। माता-पिता हमेशा अपने बच्चों में सुनने की कमी को पहचानने में सक्षम नहीं होते हैं, यही कारण है कि न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग महत्वपूर्ण हो जाती है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग कार्यक्रम श्रवण विकलांगता का जल्दी पता लगाने में सक्षम है और जिससे श्रवण विकलांगता की समस्या का समाधान होता है।

Deshbandhu
Nov 13, 2019

'हर साल 1 लाख बच्चे बेहरेपन की समस्या के शिकार'

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नई दिल्ली, 12 नवम्बर (देशबन्धु)। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के अनुसार दुनियाभर में 466 मिलियन लोग बहरेपन की समस्या से जझ रहे हैं, इनमें 34 मिलियन बच्चे हैं। वहीं भारत में इसकी संख्या 63 मिलियन है और प्रत्येक एक हजार बच्चों में से चार बच्चे गंभीर रूप से बहरेपन से पीड़ित हैं। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रनिंग के अनुसार लगभग एक लाख बच्चे हर साल हियरिंग डेफिशिएंसी के साथ जन्म लेते हैं। इसी संबंध में इंप्रद्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ के कारणों पर चर्चा की। ऑडियोलॉजिस्ट, स्पीच थैरेपिस्ट नीविता नारायण ने कहा कि सुनने की कमी का नुकसान प्रारंभिक वर्षों में बच्चे के सीखने की क्षमता को बहुत प्रभावित कर सकता है। यह अक्सर देखा जाता है कि हियरिंग लॉस से बोलने के कौशल पर भी असर पड़ता है। जल्दी पता लगाने से तेज और प्रभावी उपचारों में मदद मिलती है। माता-पिता हलेशा अपने बच्चों में सुनने की कमी को पहचानने में सक्षम नहीं होते हैं, यही कारण है कि न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग महत्वपूर्ण हो जाती है। यह कार्यक्रम श्रवण विकलांगता का जल्दी पता लगाने में सक्षम है।

Samridhi News
Nov 14, 2019

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स के विशेषज्ञों ने की चर्चा

एजेंसी। नयी दिल्ली

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में इसकी कोचलियर इम्प्लांट टीम द्वारा आज आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ (श्रवण संबंधी स्वास्थ्य) के कारणों पर चर्चा की। बचाव इलाज से बेहतर है और यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग, अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा।

अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्प्लांटेशन प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से, अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण (हियरिंग इम्प्लांट) कर उनके जीवन में खुशियों की आवाजें

लेकर आया है। इम्प्लांट को कोचलियर बनाने के लिए ग्लोबल हियरिंग एंबेसडर खेट ली, के साथ पी शिव कुमार, सीईओ, अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ अनुपम सिब्बल, ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर और बाल रोग विशेषज्ञ, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ (प्रोफेसर) अमीत किशोर, ईएनटी और कोचलियर इम्प्लांट सर्जन, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स और सुश्री नीविता नारायण, ऑडियोलॉजिस्ट, स्पीच थेरेपिस्ट और अपोलो हॉस्पिटल्स के लिए कोचलियर इम्प्लांट विशेषज्ञ ने मिलकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया। उन्होंने न्यू बॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग के महत्व पर अपनी जानकारियां भी साझा कीं, और सरकार से देश भर में यूएनएचएस को अनिवार्य करने का आग्रह किया। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के अनुसार, उल्लेखनीय बहरेपन से जूझ रहे 466 मिलियन लोगों में से 34 मिलियन बच्चे हैं; यूएनएचएस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी नवजात शिशुओं की जन्म के समय ही हियरिंग स्क्रीनिंग की जाए।

भारत में, 6.3 प्रतिशत जनसंख्या - 2009 में अनुमानित 63 मिलियन लोग - महत्वपूर्ण हियरिंग लॉस से पीड़ित हैं। हर हजार बच्चों में से चार बच्चे गंभीर रूप से बहरेपन से पीड़ित हैं; लगभग 100,000 बच्चे हर साल हियरिंग डेफिशिएंसी के साथ जन्म लेते हैं। नेशनल सैम्पल सर्वे - 2002 में 58वां दौर ने भारतीय घरों में विकलांगता का सर्वेक्षण किया और इसमें पाया गया कि श्रवण विकलांगता, विकलांगता का दूसरा सबसे सामान्य कारण और संवेदनाओं की कमी का सबसे बड़ा कारण है।

Mayur Samvaad
Nov 14, 2019

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स के विशेषज्ञों ने भारत में श्रवण स्वास्थ्य (हियरिंग हेल्थ) पर की चर्चा

संवाद (दिल्ली)। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में इसकी कोक्लियर इम्प्लांट टीम द्वारा आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ (श्रवण संबंधी स्वास्थ्य) के कारणों पर चर्चा की। बचाव इलाज से बेहतर है और यूनिवर्सल न्यूबोर्न हियरिंग स्क्रीनिंग (यूएनएचएस), अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबोर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोक्लियर इम्प्लांट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से, अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण (हियरिंग इम्प्लांट) कर उनके जीवन में खुशियों की आवाजें लेकर आया है।

इम्प्लांट को कोक्लियर बनाने के लिए ग्लोबल हियरिंग एंबेसडर ब्रेट ली, के साथ श्री पी शिव कुमार, सीईओ, अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ अनुपम सिब्बल, ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर और बाल रोग विशेषज्ञ, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ (प्रोफेसर) अमित किशोर, एचओडी और कोक्लियर इम्प्लांट सर्जन, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स और सुश्री नंदिता नारायण, ऑडियोलॉजिस्ट, स्पीच थेरेपिस्ट (एसएलपी) और अपोलो हॉस्पिटल्स के लिए कोक्लियर इंप्लांट विशेषज्ञ ने मिलकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया। उन्होंने न्यूबोर्न हियरिंग स्क्रीनिंग के महत्व पर अपनी जानकारियां भी साझा कीं, और सरकार से देश भर में यूएनएचएस को अनिवार्य बनाने का आग्रह किया।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के अनुसार, उल्लेखनीय बहरेपन से जूझ रहे 466 मिलियन लोगों में से 34 मिलियन बच्चे हैं, यूएनएचएस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी नवजात शिशुओं की जन्म के साथ ही हियरिंग स्क्रीनिंग की जाए।

भारत में, 6.3 प्रतिशत जनसंख्या - 2009 में अनुमानित 63 मिलियन लोग - महत्वपूर्ण हियरिंग लॉस से पीड़ित हैं। हर हजार बच्चों में से चार बच्चे गंभीर रूप से बहरेपन से पीड़ित हैं; लगभग 100,000 बच्चे हर साल हियरिंग डिसेबिलिटी के साथ जन्म लेते हैं। नेशनल सैंपल सर्वे - 2002 में 58वें दौर [illegible] ने भारतीय घरों में विकलांगता का सर्वेक्षण किया और इसमें पाया गया कि श्रवण विकलांगता, विकलांगता का दूसरा सबसे सामान्य कारण और संवेदनाओं की कमी का सबसे बड़ा कारण है।

ब्रेट ली ने इस कार्यक्रम में कहा, [illegible] जैसी संस्थाओं को उनके बच्चों के जीवन में, और उनके परिवारों के जीवन में सुनने का आनंद लाने में सक्षम करना मेरे लिए अत्यंत गर्व की बात है। सुनने की अक्षमता का इलाज हो सकता है लेकिन ज्यादा लोगों को उपलब्ध उपचारों की जानकारी नहीं है। इस तरह की जागरूकता पहल नवजात शिशुओं के माता-पिता और संरक्षकों को शिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिससे यूएनएचएस के बारे में जागरूकता पैदा होती है। मुझे यूएनएचएस के नेक कार्य, इन प्रयासों के साथ के साथ जुड़ने पर गर्व है, हम एक टीम के रूप में, यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हर कोई [illegible] की जिंदगी की आवाजों का अनुभव कर सके।

श्री पी. शिवकुमार, सीईओ, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स ने कहा, "हियरिंग हेल्थ भारत में चर्चा का महत्वपूर्ण विषय नहीं है। अपोलो हॉस्पिटल अन्य हितधारकों के साथ मिलकर हियरिंग हेल्थ पर यूएनएचएस को नवजात शिशुओं पर किये जाने वाले दूसरे परीक्षणों के साथ अनिवार्य परीक्षण बनाने के लिए एक एडवोकेसी कैंपेन लागू करेगा। यूएनएचएस व्यापक रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और यूके जैसे देशों में प्रचलित है; भारत में नवजात शिशुओं के लिए एक "ऑल-इनक्लूसिव" स्क्रीनिंग कार्यक्रम स्थापित करना बाकी है। हमारी आँखें और कान दुनिया को देखने की खिड़कियां हैं, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि ये दोनों अंग ठीक से काम करें।

डॉ अनुपम सिब्बल ने अपने उद्बोधन में कहा, आज, हमने यूनिवर्सल न्यूबर्न हियरिंग स्क्रीनिंग कार्यक्रम के 14 साल पूरे किये हैं जो एक गर्व की अनुभूति और उत्साह का क्षण है। इस सुनने की क्षमता का अनुभव करने में मदद करके 1500 बच्चों के जीवन में बदलाव लेकर आये हैं। हम वैश्विक स्वास्थ्य सेवा में नवीनतम प्रथाओं को शामिल करने और अपने रोगियों को उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जारी रखेंगे।

Sahara Sandesh Times
Nov 14, 2019

अपोलो हॉस्पिटल्स के विशेषज्ञों ने भारत में श्रवण स्वास्थ्य (हियरिंग हेल्थ) पर की चर्चा

संवाददाता (दिल्ली) इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में इसकी कोचलियर इम्प्लांट टीम द्वारा आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ (श्रवण संबंधी स्वास्थ्य) के कारणों पर चर्चा की। बचाव इलाज से बेहतर है और यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग (हइन), अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्प्लांट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से, अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण (हियरिंग इम्प्लांट) कर उनके जीवन में खुशियों की आवाजें लेकर आया है।

इम्प्लांट को कोचलियर बनाने के लिए ग्लोबल हियरिंग एंबेसडर ग्रेट ली, के साथ श्री पी शिव कुमार, सीईओ, अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ अनुपम सिब्बल, ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर और बाल रोग विशेषज्ञ, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ (प्रोफेसर) अमीत किशोर, श्रद्धा और कोचलियर इम्प्लांट सर्जन, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स और सुश्री नीविता नारायण, ऑडियोलॉजिस्ट, स्पीच थेरेपिस्ट (स्वश्रद्धा) और अपोलो हॉस्पिटल्स के लिए कोचलियर इंप्लांट विशेषज्ञ ने मिलकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया। उन्होंने न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग के महत्व पर अपनी जानकारियां भी साझा कीं, और सरकार से देश भर में इसे अनिवार्य करने का आग्रह किया।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के अनुसार, डिसेबलिंग बहरेपन से जूझ रहे 466 मिलियन लोगों में से 34 मिलियन बच्चे हैं, इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी नवजात शिशुओं की जन्म के समय ही हियरिंग स्क्रीनिंग की जाए। भारत में, 6.3 प्रतिशत जनसंख्या - 2009 में अनुमानित 63 मिलियन लोग - महत्वपूर्ण हियरिंग लॉस से पीड़ित हैं। हर हजार बच्चों में से चार बच्चे गंभीर रूप से बहरेपन से पीड़ित है; लगभग 100,000 बच्चे हर साल हियरिंग डेफिशिएंसी के साथ जन्म लेते हैं। नेशनल सैम्पल सर्वे - 2002 में 58वां दौर - ने भारतीय घरों में विकलांगता का सर्वेक्षण किया और इसमें पाया गया कि श्रवण विकलांगता, विकलांगता का दूसरा सबसे सामान्य कारण और संवेदनाओं की कमी का सबसे बड़ा कारण है। ग्रेट ली ने इस कार्यक्रम में कहा, "अपोलो जैसी संस्थाओं को इतने बच्चों के जीवन में, और उनके परिवारों के जीवन में सुनने का आनंद लाने में सक्षम करना मेरे लिए अत्यंत गर्व की बात है। सुनने की क्षमता का इलाज हो सकता है लेकिन ज्यादा लोगों को उपलब्ध उपचारों की जानकारी नहीं है। इस तरह की जागरूकता पहल नवजात शिशुओं के माता-पिता और परिवारों को शिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिससे हइन के बारे में जागरूकता पैदा होती है। मुझे हइन के नेक कार्य; इन प्रयासों के साथ के साथ जुड़ने पर गर्व है, हम एक टीम के रूप में, यह सुनिश्चित करना चाहते है कि हर कोई रोजमर्रा की जिंदगी की आवाजों का अनुभव कर सके।

पी. शिवकुमार, सीईओ, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स ने कहा, "हियरिंग हेल्थ भारत में चर्चा का महत्वपूर्ण विषय नहीं है। अपोलो हॉस्पिटल अन्य हितधारकों के साथ मिलकर हियरिंग हेल्थ पर हइन को नवजात शिशुओं पर किये जाने वाले दूसरे परीक्षणों के साथ अनिवार्य परीक्षण बनाने के लिए एक एडवोकेसी कैम्पेन लांच करेगा। हइन व्यापक रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और यूके जैसे देशों में प्रचलित है, भारत में नवजात शिशुओं के लिए एक "ऑल-इनक्लूसिव" स्क्रीनिंग कार्यक्रम स्थापित करना चाहती है। हमारी आंखें और कान दुनिया को देखने की खिड़कियां हैं, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि ये दोनों अंग ठीक से काम करें।

Dainik Amrit India
Nov 15, 2019

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स के विशेषज्ञों ने भारत में श्रवण स्वास्थ्य अपोलो : हियरिंग हेल्थ पर की चर्चा

नई दिल्ली/एजेंसी। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में इसकी कोक्लियर इम्प्लांट टीम द्वारा आज आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ ;श्रवण संबंधी स्वास्थ्य द्ध के कारणों पर चर्चा की। बचाव इलाज से बेहतर है और यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोक्लियर इम्प्लांट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। इम्प्लांट को कोक्लियर बनाने के लिए ग्लोबल हियरिंग एंबेसडर ब्रेट ली के साथ श्री पी शिव कुमार, सीईओ, अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ अनुपम मिश्रा, मेडिकल डायरेक्टर और कान रोग विशेषज्ञ, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ ;ब्रिगेडियरद्ध अमीत किशोर और कोक्लियर इम्प्लांट सर्जन, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स और सुश्री नीलिमा कालरा, ऑडियोलॉजिस्ट, स्पीच थैरेपिस्ट और अपोलो हॉस्पिटल्स के लिए कोक्लियर इंप्लांट विशेषज्ञ ने मिलकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया। उन्होंने न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग के महत्व पर अपनी जानकारियां भी साझा कीं और सरकार से देश भर में अनिवार्य करने का आग्रह किया। डॉ अनुपम मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा, हमने यूनिवर्सल न्यूबर्न हियरिंग स्क्रीनिंग कार्यक्रम के 14 साल पूरे किये हैं जो एक गर्व की अनुभूति और उत्सव का क्षण है। हम सुनने की क्षमता का अनुभव करने में मदद करके 1500 बच्चों के जीवन में बदलाव लेकर आये हैं। सुश्री नीलिमा कालरा, ऑडियोलॉजिस्ट स्पीच थैरेपिस्ट और अपोलो हॉस्पिटल के लिए कोक्लियर इम्प्लांट स्पेशलिस्ट ने कहा सुनने की कमी का नुकसान प्रारंभिक वर्षों में बच्चे के सीखने की क्षमता को बहुत प्रभावित कर सकता है। भारत में सबसे अच्छे 10 हॉस्पिटलों की सूची में यह हॉस्पिटल लगातार सबसे ऊपर बना रहा है।

Shreeji Express
Nov 15, 2019

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स के विशेषज्ञों ने भारत में श्रवण स्वास्टअपो (हियरिंग हेल्थे) पर की चर्चा

Regional coverage

SHIMLA

Aapka Faisla

भारत में 63 मिलियन से अधिक लोग उल्लेखनीय हियरिंग लॉस से पीड़ित

शिमला, (आपका फैसला)। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में कोचलियर इम्लांट टीम द्वारा आज आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ श्रवण संबंधी समस्या के कारणों पर चर्चा की। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्लांबन प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजत एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण ;हियरिंग इम्लांलट कर उनके जीवन में खुशियों की आवाज़ें लेकर आया है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइज़ेशन के अनुसार उल्लेखनीय बहरेपन से जूझ रहे 466 मिलियन लोगों में से 34 मिलियन बच्चे हैं यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी नवजात शिशुओं की जन्म के समय ही हियरिंग स्क्रीनिंग की जाए। भारत में 6.3 प्रतिशत जनसंख्या 2009 में अनुमानित 63 मिलियन लोग महत्वपूर्ण हियरिंग लॉस से पीड़ित हैं। हर हजार बच्चों में से चार बच्चे गंभीर रूप से

- विशेषज्ञों ने में श्रवण संबंधी समस्याओं पर की चर्चा
- हर साल 1 लाख बच्चे हियरिंग डेफिशिएंसी के साथ होते हैं पैदा

बहरेपन से पीड़ित हैं लगभग 100000 बच्चे हर साल,हियरिंग डेफिशिएंसी के साथ जन्म लेते हैं। पी शिवकुमार सीईओ इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स ने कहा हियरिंग हेल्थ भारत में चर्चा का महत्तवपूर्ण विषय नहीं है। अपोलो हॉस्पिटल अन्य हितधारकों के साथ मिलकर हियरिंग हेल्थ पर यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को नवजात शिशुओं पर किये जाने वाले दूसरे परीक्षणों के साथ अनिवार्य परीक्षण बनाने के लिए एक एडवोकेसी कैम्पेन लागू करेगा। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग व्यापक रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और यूके जैसे देशों में प्रचलित है । वर्तमान में केरल हमारे देश का एकमात्र राज्य है जिसने सरकारी अस्पतालों में 98 प्रतिशत यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग सफलतापूर्वक हासिल किया है।

Dainik Bhaskar

भारत में 63 मिलियन से अधिक लोग उल्लेखनीय हियरिंग लॉस से पीड़ित

भास्कर न्यूज.शिमला

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में कोचलियर इम्लांट टीम द्वारा आज आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ श्रवण संबंधी समस्या के कारणों पर चर्चा की। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्लांबन ट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजत एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण, हियरिंग इम्लांलट कर उनके जीवन में खुशियों की लेकर आया है।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के अनुसार उल्लेखनीय बहरेपन से जूझ रहे 466 मिलियन लोगों में से 34 मिलियन बच्चे हैं यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी नवजात शिशुओं की जन्म के समय ही हियरिंग स्क्रीनिंग की जाए।

भारत में 6.3 प्रतिशत जनसंख्या 2009 में अनुमानित 63 मिलियन लोग. महत्वपूर्ण हियरिंग लॉस से पीड़ित हैं। हर हजार बच्चों में से चार बच्चे गंभीर रूप से बहरेपन से पीड़ित हैं लगभग 100000 बच्चे हर साल हियरिंग डेफिशिएंसी के साथ जन्म लेते हैं। पी शिवकुमार सीईओ इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स ने कहा हियरिंग हेल्थ भारत में चर्चा का विषय नहीं है। अपोलो हॉस्पिटल अन्य हितधारकों के साथ मिलकर हियरिंग हेल्थ पर यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को नवजात शिशुओं पर किये जाने वाले दूसरे परीक्षणों के साथ अनिवार्य परीक्षण बनाने को एक एडवोकेसी कैम्पेन लागू करेगा।

Dainik Jagran

भारत में 63 मिलियन से अधिक लोग उल्लेखनीय हियरिंग लॉस से पीड़ित

शिमला| इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में कोचलियर इम्लांट टीम द्वारा आज आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ श्रवण संबंधी समस्या के कारणों पर चर्चा की। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्लांबन ट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजत एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण, हियरिंग इम्लांलट कर उनके जीवन में खुशियों की लेकर आया है।

Jagrmarg

भारत में 63 मिलियन लोग हियरिंग लॉस से पीड़ित

शिमला। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में कोचलियर इम्लांट टीम द्वारा आज आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ श्रवण संबंधी समस्या के कारणों पर चर्चा की। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्लांबन ट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजत एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण ;हियरिंग इम्लांलट कर उनके जीवन में खुशियों की आवाज़ें लेकर आया है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइज़ेशन के अनुसार उल्लेखनीय बहरेपन से जूझ रहे 466 मिलियन लोगों में से 34 मिलियन बच्चे हैं यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी नवजात शिशुओं की जन्म के समय ही हियरिंग स्क्रीनिंग की जाए। भारत में 6.3 प्रतिशत जनसंख्या 2009 में अनुमानित 63 मिलियन लोग महत्वपूर्ण हियरिंग लॉस से पीड़ित हैं। हर हजार बच्चों में से चार बच्चे गंभीर रूप से बहरेपन से पीड़ित हैं लगभग 100000 बच्चे हर साल हियरिंग डेफिशिएंसी के साथ जन्म लेते हैं। पी शिवकुमार सीईओ इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स ने कहा हियरिंग हेल्थ भारत में चर्चा का महत्तवपूर्ण विषय नहीं है। अपोलो हॉस्पिटल अन्य हितधारकों के साथ मिलकर हियरिंग हेल्थ पर यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को नवजात शिशुओं पर किये जाने वाले दूसरे परीक्षणों के साथ अनिवार्य परीक्षण बनाने के लिए एक एडवोकेसी कैम्पेन लागू करेगा। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग व्यापक रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और यूके जैसे देशों में प्रचलित है। वर्तमान में केरल हमारे देश का एकमात्र राज्य है जिसने सरकारी अस्पतालों में 98 प्रतिशत यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग सफलतापूर्वक हासिल किया है।

Punjab Kesari

भारत में 63 मिलियन लोग हीयरिंग लॉस से पीड़ित

शिमला, 18 नवम्बर (ब्यूरो): भारत में 6.3 प्रतिशत जनसंख्या 2009 में अनुमानित 63 मिलियन लोग हीयरिंग लॉस से पीड़ित हैं। हर हजार बच्चों में से 4 बच्चे गंभीर रूप से बहरेपन से पीड़ित हैं। लगभग 100000 बच्चे हर साल हीयरिंग डैफिशिएंसी के साथ जन्म लेते हैं। पी. शिव कुमार सी.ई.ओ. इंद्रप्रस्थ ने कहा कि हीयरिंग हैल्थ भारत में चर्चा का महत्वपूर्ण विषय नहीं है। अपोलो हॉस्पीटल अन्य हितधारकों के साथ मिलकर हीयरिंग हैल्थ पर यूनिवर्सल न्यू बोर्न हीयरिंग स्क्रीनिंग को नवजात शिशुओं पर किए जाने वाले दूसरे परीक्षणों के साथ अनिवार्य परीक्षण बनाने के लिए एक एडवोकेसी कैम्पेन लागू करेगा। यूनिवर्सल न्यू बोर्न हीयरिंग स्क्रीनिंग व्यापक रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और यू.के. जैसे देशों में प्रचलित है। वर्तमान में केरल हमारे देश का एकमात्र राज्य है, जिसने सरकारी अस्पतालों में 98 प्रतिशत यूनिवर्सल न्यू बोर्न हीयरिंग स्क्रीनिंग सफलतापूर्वक हासिल किया है। वर्ल्ड हैल्थ ऑर्गेनाइजेशन के अनुसार उल्लेखनीय बहरेपन से जूझ रहे 466 मिलियन लोगों में से 34 मिलियन बच्चे हैं। यूनिवर्सल न्यू बॉर्न हीयरिंग स्क्रीनिंग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी नवजात शिशुओं की जन्म के समय ही हीयरिंग स्क्रीनिंग की जाए।

Yugmarg

Experts at Indraprastha Apollo Hospitals advocate for Hearing Health in India

New Delhi,: In an awareness event organized today at Indraprastha Apollo Hospitals by its Cochlear Implant Team, Health Experts discussed and advocated the cause of Hearing Health in India. Prevention is better than cure and Universal Newborn Hearing Screening (UNHS) is Apollo Hospitals' critical part of children's hearing health program. Making Universal Newborn Hearing Screening mandatory will go a long way towards achieving this. At an event to mark 14 years of the launch of Apollo Hospitals' cochlear implant programme, this came out loud and clear. Since 2005, Apollo Hospitalshas brought the sounds of joy into the lives of 1500 childrenwho have received hearing implants. According to the World Health Organisation (WHO), of the 466 million people suffering from significant hearing loss globally, 34 million are children; the UNHS aims to ensure that all newborn babies undergo a hearing screening test at birth. In India, 6.3 per cent of the population, - an estimated 63 million people in 2009 - suffer from significant auditory loss. Four out of every thousand children suffer from severe to profound hearing loss; roughly 100,000 children are born with hearing deficiency every year. The National Sample Survey - the 58th round in 2002 - surveyed disability in Indian households and found that hearing disability was the 2nd most common cause of disability and the topmost cause of sensory deficit.

Dainik Savera

भारत में 63 मिलियन लोग हीयरिंग लॉस से पीड़ित

शिमला, 25 नवम्बर (सवेरा) : भारत में 6.3 प्रतिशत जनसंख्या 2009 में अनुमानित 63 मिलियन लोग हीयरिंग लॉस से पीड़ित हैं। हर हजार बच्चों में से 4 बच्चे गंभीर रूप से बहरेपन से पीड़ित हैं। लगभग 100000 बच्चे हर साल हीयरिंग डैफिशिएंसी के साथ जन्म लेते हैं। पी. शिव कुमार सी.ई.ओ. इंद्रप्रस्थ ने कहा कि हीयरिंग हैल्थ भारत में चर्चा का महत्वपूर्ण विषय नहीं है। अपोलो हॉस्पीटल अन्य हितधारकों के साथ मिलकर हीयरिंग हैल्थ पर यूनिवर्सल न्यू बोर्न हीयरिंग स्क्रीनिंग को नवजात शिशुओं पर किए जाने वाले दूसरे परीक्षणों के साथ अनिवार्य परीक्षण बनाने के लिए एक एडवोकेसी कैम्पेन लागू करेगा। यूनिवर्सल न्यू बोर्न हीयरिंग स्क्रीनिंग व्यापक रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और यू.के. जैसे देशों में प्रचलित है। वर्तमान में केरल हमारे देश का एकमात्र राज्य है, जिसने सरकारी अस्पतालों में 98 प्रतिशत यूनिवर्सल न्यू बोर्न हीयरिंग स्क्रीनिंग सफलतापूर्वक हासिल किया है।

Democracy Himanchal

भारत में 63 मिलियन से अधिक लोग उल्लेखनीय हियरिंग लॉस से पीड़ित

डेमोक्रेसी हिमाचल, शिमला

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में कोचलियर इम्लांट टीम द्वारा बुधवार को आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ श्रवण संबंधी समस्या के कारणों पर चर्चा की। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्लांबन ट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजत एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण हियरिंग इम्लांलट कर उनके जीवन में खुशियों की आवाजें लेकर आया है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइज़ेशन के अनुसार उल्लेखनीय बहरेपन से जूझ रहे 466 मिलियन लोगों में से 34 मिलियन बच्चे हैं यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी नवजात शिशुओं की जन्म के समय ही हियरिंग स्क्रीनिंग की जाए। भारत में 6.3 प्रतिशत जनसंख्या 2009 में अनुमानित 63 मिलियन लोग महत्वपूर्ण हियरिंग लॉस से पीड़ित हैं। हर हजार बच्चों में से चार बच्चे गंभीर रूप से बहरेपन से पीड़ित हैं लगभग 100000 बच्चे हर साल हियरिंग डेफिशिएंसी के साथ जन्म लेते हैं। पी शिवकुमार सीईओ इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स ने कहा हियरिंग हेल्थ भारत में चर्चा का महत्तवपूर्ण विषय नहीं है। अपोलो हॉस्पिटल अन्य हितधारकों के साथ मिलकर हियरिंग हेल्थ पर यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को नवजात शिशुओं पर किये जाने वाले दूसरे परीक्षणों के साथ अनिवार्य परीक्षण बनाने के लिए एक एडवोकेसी कैम्पेन लागू करेगा। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग व्यापक रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और यूके जैसे देशों में प्रचलित है । वर्तमान में केरल हमारे देश का एकमात्र राज्य है जिसने सरकारी अस्पतालों में 98 प्रतिशत यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग सफलतापूर्वक हासिल किया है।

Lucknow

Aaj

देश में 63 मिलियन से अधिक हियरिंग लॉस से पीड़ित

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने की श्रवण स्वास्थ्य पर चर्चा

नयी दिल्ली, 17 नवम्बर। भारत में हियरिंग हेल्थ श्रवण संबंधी स्वास्थ्य के कारणों पर इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में कोचलियर इम्प्लांट टीम द्वारा आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चर्चा की। बचाव इलाज से बेहतर है और यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्प्लांट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण हियरिंग इम्प्लांट कर उनके जीवन में खुशियों की आवाजें लेकर आया है। इम्प्लांट को कोचलियर बनाने के लिए, ग्लोबल हियरिंग एंबेसडर ब्रेट ली के साथ पी शिव कुमार सीईओ अपोलो हॉस्पिटल्स डॉ अनुपम सिब्बल ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर और बाल रोग विशेषज्ञ इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ प्रोफेसर अमीत किशोर ईएनटी और कोचलियर इम्प्लांट सर्जन इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स और सुश्री नीभिता नारायण ऑडियोलॉजिस्ट स्पीच थेरेपिस्ट और अपोलो हॉस्पिटल्स के लिए कोचलियर इंप्लांट विशेषज्ञ ने मिलकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया। उन्होंने न्यूनबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग के महत्व पर अपनी जानकारियां भी साझा कीं और सरकार से देश भर में यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य करने का आग्रह किया। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के अनुसार उल्लेखनीय बहरेपन से जूझ रहे 466 मिलियन लोगों में से 34 मिलियन बच्चे हैं यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी नवजात शिशुओं की जन्म के समय ही हियरिंग स्क्रीनिंग की जाए। भारत में 6.3 प्रतिशत जनसंख्या 2009 में अनुमानित 63 मिलियन लोग व् महत्वपूर्ण हियरिंग लॉस से पीड़ित हैं। हर हजार बच्चों में से चार बच्चे गंभीर रूप से बहरेपन से पीड़ित हैं लगभग 100000 बच्चे हर साल हियरिंग डेफिशिएंसी के साथ जन्म लेते हैं। नेशनल सैम्पल सर्वे 2002 में 58वां दौर ने भारतीय घरों में विकलांगता का सर्वेक्षण किया और इसमें पाया गया कि श्रवण विकलांगता, विकलांगता का दूसरा सबसे सामान्य कारण और संवेदनाओं की कमी का सबसे बड़ा कारण है। ब्रेट ली ने इस कार्यक्रम में कहाए श्अपोलो जैसी संस्थाओं को इतने बच्चों के जीवन मेंए और उनके परिवारों के जीवन में सुनने का आनंद लाने में सक्षम करना मेरे लिए अत्यंत गर्व की बात है। सुनने की अक्षमता का इलाज हो सकता है लेकिन ज्यादा लोगों को उपलब्ध उपचारों की जानकारी नहीं है। पी.शिवकुमार, सीईओ, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स ने कहा हियरिंग हेल्थ भारत में चर्चा का महत्वपूर्ण विषय नहीं है। अपोलो हॉस्पिटल अन्य हितधारकों के साथ मिलकर हियरिंग हेल्थ पर यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को नवजात शिशुओं पर किये जाने वाले दूसरे परीक्षणों के साथ अनिवार्य परीक्षण बनाने के लिए एक एडवोकेसी कैम्पेन लागू करेगा। डॉ अनुपम सिब्बल ने अपने उद्बोधन में कहा आज हमने यूनिवर्सल न्यूबर्न हियरिंग स्क्रीनिंग कार्यक्रम के 14 साल पूरे किये हैं जो एक गर्व की अनुभूति और उत्सव का क्षण है। हम सुनने की क्षमता का अनुभव करने में मदद करके 1500 बच्चों के जीवन में बदलाव लेकर आये हैं। हम वैश्विक स्वास्थ्य सेवा में सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल करने और अपने रोगियों को उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जारी रखेंगे। न्यू बॉर्न हियरिंग स्क्री निंग के महत्व के बारे में बात करते हुएए डॉ अमीत किशोर ने कहा मैंने उन पेरेंट्स के चेहरे पर पूर्णता देखी है जब उनके बच्चे सुनने की कमी से बाहर निकल कर सामान्य रूप से सुनने लगते हैं। हियरिंग लॉस का प्रारंभिक तौर पर पता लगाना इस संतुष्टि के निर्माण की दिशा में पहला कदम है। अकेले नई दिल्ली में 34000 से अधिक लोग महत्वपूर्ण सुनने की कमी से पीड़ित हैं। सुश्री नीभिता नारायण ऑडियोलॉजिस्ट स्पीच थैरेपिस्ट और अपोलो हॉस्पिटल के लिए कोचलियर इम्प्लांट स्पेशलिस्ट ने कहा सुनने की कमी का नुकसान प्रारंभिक वर्षों में बच्चे के सीखने की क्षमता को बहुत प्रभावित कर सकता है।

Dainik Bhaskar

विशेषज्ञों ने हियरिंग हेल्थ पर की चर्चा

नई दिल्ली। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में इसकी कोचलियर इम्प्लांट टीम के जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ के कारणों पर चर्चा की।

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स के सीईओ पी. शिवकुमार ने कहा, हियरिंग हेल्थ भारत में चर्चा का महत्तवपूर्ण विषय नहीं है। अपोलो हॉस्पिटल अन्य हितधारकों के साथ मिलकर हियरिंग हेल्था पर यूएनएचएस को नवजात शिशुओं पर किये जाने वाले दूसरे परीक्षणों के साथ अनिवार्य परीक्षण बनाने के लिए एक एडवोकेसी कैम्पेन लागू करेगा। भारत में नवजात शिशुओं के लिए ऑल-इनक्लूसिव स्क्रीनिंग कार्यक्रम स्थापित करना बाकी है। हमारी आंखें और कान दुनिया को देखने की खिड़कियां हैं।

Eveday News

देश में 63 मिलियन से अधिक हियरिंग लॉस से पीड़ित

एवरीडे न्यूज संवाददाता

लखनऊ। भारत में हियरिंग हेल्थ श्रवण संबंधी स्वास्थ्य के कारणों पर इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में कोक्लियर इम्प्लांट टीम द्वारा आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चर्चा की। बचाव इलाज से बेहतर है और यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा।

अपोलो हॉस्पिटल्स के कोक्लियर इम्प्लांट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण हियरिंग इम्प्लांट कर उनके जीवन में खुशियों की आवाजें लेकर आया है। इम्प्लांट को कोक्लियर बनाने के लिए ग्लोबल हियरिंग एंबेसडर ब्रेट ली के साथ पी शिव कुमार सीईओ अपोलो हॉस्पिटल्स डॉ अनुपम

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स के विशेषज्ञों ने की श्रवण स्वास्थ्य पर चर्चा

सिब्बल ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर और बाल रोग विशेषज्ञ इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ प्रोफेसर अमीत किशोर ईएनटी और कोक्लियर इम्प्लांट सर्जन इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स और सुश्री नौमिता नारायण ऑडियोलॉजिस्ट स्पीच थेरेपिस्ट और अपोलो हॉस्पिटल्स के लिए कोक्लियर इंप्लांट विशेषज्ञ ने मिलकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया। उन्होंने न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग के महत्व पर अपनी जानकारियां भी साझा की और सरकार से देश भर में यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य करने का आग्रह किया। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइज़ेशन के अनुसार, अक्षमकारी बहरेपन से जूझ रहे 466 मिलियन लोगों में से 34 मिलियन बच्चे हैं यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी नवजात शिशुओं की जन्म के साथ ही हियरिंग स्क्रीनिंग की जाए। भारत में 6.3 प्रतिशत जनसंख्या 2009 में अनुमानित 63 मिलियन लोग, महत्वपूर्ण हियरिंग लॉस से पीड़ित हैं। हर हजार बच्चों में से चार बच्चे गंभीर रूप से बहरेपन से पीड़ित हैं लगभग 100000 बच्चे हर साल हियरिंग डेफिशिएंसी के साथ जन्म लेते हैं। नेशनल सेम्पल सर्वे 2002 में 58वां दौर द्वारा ने भारतीय घरों में विकलांगता का सर्वेक्षण किया और इसमें पाया गया कि श्रवण विकलांगता, विकलांगता का दूसरा सबसे सामान्य कारण और संवेदनाओं की कमी का सबसे बड़ा कारण है। ब्रेट ली ने इस कार्यक्रम में कहा, इंद्रप्रस्थ अपोलो जैसी संस्थाओं को इतने बच्चों के जीवन में और उनके परिवारों के जीवन में सुनने का आनंद लाने में सक्षम करना मेरे लिए अत्यंत गर्व की बात है। सुनने की अक्षमता का इलाज हो सकता है लेकिन ज्यादा लोगों को उपलब्ध उपचारों की जानकारी नहीं है। पी शिवकुमार, सीईओ, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स ने कहा, हियरिंग हेल्थ भारत में चर्चा का महत्वपूर्ण विषय नहीं है। अपोलो हॉस्पिटल अन्य हितधारकों के साथ मिलकर हियरिंग हेल्थ पर यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को नवजात शिशुओं पर किये जाने वाले दूसरे परीक्षणों के साथ अनिवार्य परीक्षण बनाने के लिए एक एडवोकेसी कैम्पेन लागू करेगा। डॉ अनुपम सिब्बल ने अपने उद्बोधन में कहा आज हमने यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग कार्यक्रम के 14 साल पूरे किये हैं जो एक गर्व की अनुभूति और उत्सव का क्षण है। हम सुनने की क्षमता का अनुभव करने में मदद करके 1500 बच्चों के जीवन में बदलाव लेकर आये हैं।

Jansandesh Times

देश में 63 मिलियन से अंधिक हियरिंग लॉस से पीड़ित

लखनऊ। भारत में हियरिंग हेल्थ श्रवण संबंधी स्वास्थ्य के कारणों पर इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में कोचलियर इम्लांट टीम द्वारा आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चर्चा की। बचाव इलाज से बेहतर है और यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्प्लांट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजत एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण हियरिंग इम्लांट कर उनके जीवन में खुशियों की आवाजें लेकर आया है।

Prabharat

इंद्रप्रस्थ अपोलो के विशेषज्ञों ने भारत में श्रवण स्वास्थ्य हियरिंग हेल्थ पर की चर्चा

लखनऊ। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में इसकी कोचलियर इम्प्लांट टीम द्वारा आज आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ (श्रवण संबंधी स्वास्थ्य) के कारणों पर चर्चा की। बचाव इलाज से बेहतर है और यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग, अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्प्लांट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से, अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण (हियरिंग इम्प्लांट) कर उनके जीवन में खुशियों की आवाजें लेकर आया है। इम्प्लांट को कोचलियर बनाने के लिए ग्लेबल हियरिंग एंबेसडर ब्रेट ली, के साथ श्री पी शिव कुमार, सीईओ, अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ अनुपम सिब्बल, ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर और बाल रोग विशेषज्ञ, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ (प्रोफेसर) अमीत किशोर, और कोचलियर इम्प्लांट सर्जन, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स और सुश्री नीविता नारायण, ऑडियोलॉजिस्ट, स्पीच थेरेपिस्ट और अपोलो हॉस्पिटल्स के लिए कोचलियर इंप्लांट विशेषज्ञ ने मिलकर इस उपलब्धि का जश्न मनाय।

Rashtriya Swaroop

देश में 63 मिलियन से अधिक हियरिंग लॉस से पीड़ित

लखनऊ (वरिष्ठ संवाददाता)। भारत में हियरिंग हेल्थ श्रवण संबंधी स्वास्थ्य के कारणों पर इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में कोचलियर इम्लांट टीम द्वारा आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चर्चा की। बचाव इलाज से बेहतर है और यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्प्लांट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजत एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण हियरिंग इम्लांट कर उनके जीवन में खुशियों की आवाज़ें लेकर आया है।

Shah Times

विशेषज्ञों ने हियरिंग हेल्थ पर की चर्चा

लखनऊ। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में इसकी कोचलियर इम्प्लांट टीम द्वारा आज आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ (श्रवण संबंधी स्वास्थ्य) के कारणों पर चर्चा की। बचाव इलाज से बेहतर है और यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग, अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्प्लांट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से, अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण (हियरिंग इम्प्लांट) कर उनके जीवन में खुशियों की आवाजें लेकर आया है।

BHOPAL

Dainik Jagran

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली, जेएनएन। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में इसकी कोचलियर इम्लांट टीम द्वारा आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ के कारणों पर चर्चा की। बचाव इलाज से बेहतर है और यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग, अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्लांबनट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजत एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से, अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण कर उनके जीवन में खुशियों की आवाजें लेकर आया है।

Agnibann

अपोलो हॉस्पिटल्स में हियरिंग हेल्थ पर चर्चा

नई दिल्ली। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में कोचलियर इलांट टीम द्वारा जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ के कारणों पर चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग, अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इलांट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजत कार्यक्रम में यह बात सामने आई। 2005 से अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण कर उनके जीवन में खुशियों की आवाजें लेकर आया है। इलांट को कोचलियर बनाने के लिए ग्लोबल हियरिंग एंबेसडर ब्रेट ली के साथ पी शिव कुमार, सीईओ, अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ अनुपम सिबल, ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर और बाल रोग विशेषज्ञ, अपोलो हॉस्पिटल्स उपस्थित थे।

Dainik Naidunia

उम्मीद नहीं है।

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स के विशेषज्ञों ने भारत में श्रवण स्वास्थ्य पर की चर्चा

भोपाल। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में इसकी कॉक्लेयर इम्लांट टीम द्वारा आज आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ (श्रवण संबंधी स्वाटस्य) के कारणों पर चर्चा की। बचाव इलाज से बेहतर है और यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग (ह।स्), अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कॉक्लेयर इम्लांबन ट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजत एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से, अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण (हियरिंग इम्लां ट) कर उनके जीवन में खुशियों की आवाजें लेकर आया है।

Haribhoomi

इंद्रप्रस्थ अपोलो में श्रवण स्वास्थ्य हियरिंग पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में इसकी टीम द्वारा आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ (श्रवण संबंधी स्वास्थ्य) के कारणों पर चर्चा की। बचाव इलाज से बेहतर है और यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग्र अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्लांबनट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजत एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण हियरिंग इम्लांट कर उनके जीवन में खुशियों की आवाज़ें लेकर आया है।

इम्लांशिट को कोचलियर बनाने के लिए ग्लोबल हियरिंग एंबेसडर ब्रेट लीए के साथ पी शिव कुमार, सीईओ अपोलो हॉस्पिटल्स डॉ. अनुपम सिब्बल, ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर और बाल रोग विशेषज्ञ, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ. प्रोफ़ेसर अमीत किशोर और कोचलियर इम्प्लांट सर्जन इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स और नीविता नारायण ऑडियोलॉजिस्ट, स्पीच थेरेपिस्ट और अपोलो हॉस्पिटल्स के लिए कोचलियर इंप्लांट विशेषज्ञ ने मिलकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया। उन्होंने न्यूचबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग के महत्व पर अपनी जानकारियां भी साझा की।

Pradesh Today

हर साल 1 लाख बच्चे पैदा होते हैं हियरिंग डेफिशिएंसी के साथ

नई दिल्ली। भारत में 63 मिलियन से अधिक लोग उल्लेखनीय हियरिंग लॉस से पीड़ित हैं। भारत में हर साल 1 लाख बच्चे हियरिंग डेफिशिएंसी के साथ पैदा होते हैं। यह जानकारी इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ परिचर्चा में दी गई। इम्लांशिट को कोचलियर बनाने के लिए ग्लोबल हियरिंग एंबेसडर ब्रेट ली के साथ पी शिव कुमार, सीईओ, अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ. अनुपम सिब्बल ने न्यू बॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग के महत्व पर जानकारियां भी साझा कीं और सरकार से देश भर में यूएनएचएस को अनिवार्य करने का आग्रह किया।

Samay Jagat

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स के विशेषज्ञों ने भारत में श्रवण स्वास्थ्य पर की चर्चा

भोपाल। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में इसकी कोचलियर इम्प्लांट टीम द्वारा आज आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ के कारणों पर चर्चा की। बचाव इलाज से बेहतर है और यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्प्लांट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजत एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई।

Raj Express

अपोलो हॉस्पिटल्स में हियरिंग हेल्थ पर चर्चा

नई दिल्ली। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में कोचलियर इम्लांट टीम द्वारा जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ के कारणों पर चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग, अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्लांट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजत कार्यक्रम में यह बात सामने आई। 2005 से अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण कर उनके जीवन में खुशियों की आवाजें लेकर आया है। इम्लांट को कोचलियर बनाने के लिए ग्लोबल हियरिंग एंबेसडर ब्रेट ली के साथ पी शिव कुमार, सीईओ, अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ अनुपम सिब्बल, ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर और बाल रोग विशेषज्ञ, अपोलो हॉस्पिटल्स उपस्थित थे।